'सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन' के संबंध में 'अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम' से जुडे विभिन्न मुद्दों का प्रचार-प्रसार करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के माध्यम एककों द्वारा किए गए प्रचार कार्य पर की गई कार्रवाई संबंधी नोट
अक्टूबर 2017- दिसंबर 2017

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)

- पत्र सूचना कार्यालय प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर नियमित रूप से विज्ञप्तियों/फीचर्स का प्रकाशन करता रहा है।
- उक्त विषय पर विभिन्न क्षेत्रों से 171 प्रेस रिलीज जारी किए गए।
- पत्र सूचना कार्यालय द्वारा वार्तालाप का आयोजन किया गया है जिसमें प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम को शामिल किया गया है।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (डीएफपी)

- क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के क्षेत्रीय प्रचार एककों ने देश के विभिन्न भागों में अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की थीम पर कई प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- अभियान का मुख्य बल लक्षित लाभार्थियों की सक्रिय सहभागिता के साथ अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में सरकार की फ्लैगशिप स्कीमों अर्थात 'स्वच्छता ही सेवा', 'हस्तकला सहयोग शिविर', 'राष्ट्रीय एकता दिवस' तथा 'कृषि एवं किसान कल्याण' पर था।
- निदेशालय ने लक्षित दर्शकों/श्रोताओं के साथ संलग्न कार्यकलापों में समूह चर्चाओं/मौखिक संवाद, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रैलियों, प्रश्नोत्तर सत्रों, सार्वजनिक बैठकों तथा फिल्म शो जैसे विभिन्न फॉर्मेटों का उपयोग किया।
- निदेशालय ने सरकार की फ्लैगशिप स्कीमों पर 23 विशेष पहुंच कार्यक्रमों (एसओपी) तथा 61 अन्य कार्यकलापों सहित रैलियों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, समूह चर्चा आदि का आयोजन किया।
- निदेशालय ने उक्त तिमाही के दौरान देश भर में कई अल्पसंख्यक बहुल गांवों में अपने प्रचार कार्यक्रमों के जरिए 21 हजार से अधिक लोगों (लगभग) को सरकारी नीतियों की जानकारी देने का कार्य किया।

गीत और नाटक प्रभाग

- गीत और नाटक प्रभाग ने लाइव मीडिया जैसे नाटक, लोक गीत, कठपुतली कला आदि के जरिए भीतरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के लिए प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं से जुडे संदेशों का

प्रभावी ढंग से संचार करने हेतु इन कार्यक्रमों को स्थानीय भाषाओं तथा बोलियों में प्रस्तुत किया जाता है।

- उक्त प्रभाग ने दिसंबर **2017** को समाप्त तिमाही के दौरान 223 प्रचार-प्रसार कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे।

<u>विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी)</u>

- यह निदेशालय उसके पास उपलब्ध भारत सरकार की विभिन्न स्कीमों, निधियों, छात्रवृत्तियों आदि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विषय पर अखिल भारतीय आधार पर समय-समय पर विज्ञापन जारी करता रहा है।
- विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने दिसंबर 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 13 विज्ञापनों का 901 समाचार पत्रों में प्रकाशन किया।
- समाचार पत्र के विज्ञापन "नई रोशनी", "धरोहर", "हुनर हाट", "उस्ताद", "प्रोग्रेस पंचायत", "नया सवेरा" की थीम पर प्रकाशित किए गए।
- डीएवीपी ने उक्त विषय पर दिसंबर 2017 को समाप्त तिमाही के लिए बाह्य प्रचार मीडिया, डिजिटल सिनेमा, प्राइवेट एफएम तथा टीवी में किसी प्रकार का अभियान नहीं चलाया / उनमें प्रचार-प्रसार नहीं किया।

<u>आकाशवाणी</u>

- सभी आकाशवाणी केंद्रों ने 'अल्पसंख्यकों के कल्याण' पर समुचित कार्यक्रम तैयार करके उक्त विषय का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।
- कई फॉर्मेटों का प्रयोग किया गया जिसमें वार्ता, कंपेरिंग, चर्चा, साक्षात्कार, जिंगल्स, स्पॉट्स, रेडियो रिपोर्ट्स, टॉकलेट्स, स्पॉट रिकॉर्डिंग आधारित कार्यक्रम आदि शामिल थे।
- कार्यक्रमों का मुख्य बल 15 सूत्रीय कार्यक्रमों तथा सच्चर समिति की रिपोर्ट के विभिन्न घटकों के बारे में जागरुकता में वृद्धि करना था।
- उक्त तिमाही के दौरान आकाशवाणी केंद्रों द्वारा कुल 636 कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

<u>दूरदर्शन</u>

- देशभर में विभिन्न दूरदर्शन केंद्र अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न फॉर्मेटों के जरिए प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम पर कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं।
- कार्यक्रमों के फॉर्मेट में चर्चाएं, डाक्यूमेंटरी फीचर, स्टूडियो आधारित, साक्षात्कार, पैनल चर्चा, फोन इन, सीधी चर्चा, टीवी रिपोर्ट, सफलता की कहानियां, कैप्शन की घोषणा आदि शामिल हैं।

*****

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
राज्य-वार तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर) अक्टूबर 2017 से दिसंबर 2017

क्र. सं.	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के नाम	डीएफपी द्वारा आयोजित कार्यकलापों की संख्या	पीआईबी द्वारा आयोजित वार्तालापों की संख्या	आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	गीत और नाटक प्रभाग द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	डीएवीपी द्वारा प्रिंट मीडिया पर प्रतिबद्धता राशि (रु. में)	दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	-	-	-	-	3,985	-
2	आंध्र प्रदेश	0	-	7	-	35,415	-
3	तेलंगाना		-	-	-	187,008	4
4	अरुणाचल प्रदेश	0	-	-	8	6,844	3
5	असम	7	-	8	36	50,567	3
6	बिहार	10		25	-	158,017	-
7	चंडीगढ़	0	-	-	-	47,333	5
8	छत्तीसगढ़	0	-	-	-	57,928	2
9	मध्य प्रदेश	0	-	-	-	139,894	11
10	दादरा और नगर हवेली	-	-	-	-	5,393	-
11	दमन और दीव	-	-	-	-	6,844	-
12	गुजरात	12	-	383	-	158,512	43
13	जम्मू और कश्मीर	0	1	-	-	48,265	-
14	झारखंड	0	-	-	-	24,694	-
15	कर्नाटक	0	-	-	-	90,581	-
16	केरल	0	-	46	-	72,646	-
17	लक्षद्वीप		-	-	-	0	-

18	महाराष्ट्र	0	-	20	26	273,684	3
19	गोवा		-	-	-	0	-
20	मिजोरम	18	-	-	5	19,640	3
21	मेघालय		1	-	5	20,333	6
22	त्रिपुरा		-	-	6	11,372	3
23	नागालैंड	0	-	-	5	16,028	
24	मणिपुर		-	-	11	16,551	
25	पंजाब	-	-	-	-	131,584	5
26	हिमाचल प्रदेश		-	-	-	10,829	4
27	हरियाणा		-	-	66	18,840	-
28	दिल्ली		-	-	55	256,871	-
29	ओडिशा	0	-	64	-	161,244	-
30	पुद्दुचेरी	-	-	-	-	11,372	-
31	राजस्थान	9	-	-	-	156,888	5
32	तमिलनाडु	0	-	76	-	136,951	-
33	उत्तराखंड	10	-	-	-	28,976	-
34	उत्तर प्रदेश	3	-	11	-	218,452	16
35	पश्चिम बंगाल	15	-	4	-	94,289	10
36	सिक्किम		-	-	-	18,989	-